राजस्व या लोक वित्त

करारोपण के सिद्धांत

Canons of Taxation

कर एक अनिवार्य भुगतान है, जिसे हर नागरिक को चुकाना होता है। कर चुकाने से लोगों को त्याग करना पड़ता है। जबकि सरकार को आय प्राप्त होती है। कर सरकार के आय के साधन ही नहीं, बल्कि सरकार करों द्वारा अनेक आर्थिक क्रिया को नियंत्रित करता है। इस प्रकार सरकार इस नीति के अंतर्गत कर लगाती है, उसे ***करारोपण*** कहते हैं।

करारोपण के सिद्धांत (Canons of Taxation)

यदि कोई राज्य अपनी जनता से कर वसूल करता है। तो वह किसी सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। जब सरकार जनता पर करारोपण करती है तो उसके सामने विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होती है।

जैसे करों का क्या उद्देश्य होना चाहिए, किस प्रकार का लगाया जाए तथा विभिन्न वर्गों में कर बंटवारा किस प्रकार किया जाए?

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखकर प्रत्येक सरकार को करारोपण के सिद्धांतों का निर्माण करना आवश्यक होता है। सरकार कर लगाने में मूल बात यह ध्यान रखनी चाहिए कि करदाताओं को न्यूनतम सामूहिक त्याग के ने बात भी होना पड़े।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

THE ECONOMICS GURU

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@nakuldhali*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

एडम स्मिथ के करारोपण सिद्धांत

सर्वप्रथम एडम स्मिथ ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक **वेल्थ ऑफ नेशन** में करारोपण के निम्नलिखित सिद्धांतों का प्रतिपादन किया-

समानता का सिद्धांत (Canon of Equity)

समानता के सिद्धांत के अनुसार करारोपण इस प्रकार से किया जाना चाहिए जिससे प्रत्येक व्यक्ति के कर सामान भार वहन करना पड़ा।

विभिन्न लोगों पर कर का भार इस प्रकार से पढ़ना चाहिए कि सबको समान त्याग करना पड़े।

एडम स्मिथ के अनुसार, "प्रत्येक राज्य के नागरिको को अपनी सरकार की सहायता के लिए जहाँ तक संभव हो सके, अपनी सापेक्षिक योग्यता के अनुसार करना चाहिए अर्थात उस आय के अनुपात में जो वे सरकार के संरक्षण में लाभ उठा रहे हैं"।

इस सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति पर कर समान नहीं बल्कि ***योग्यता के अनुसार*** लगाना चाहिए।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

निश्चितता का सिद्धांत (Canon of Certainty)

एक अच्छी कार्यप्रणाली में कर की राशि चुकाने की रीति तथा समय निश्चित होना चाहिए। ऐसा होने पर करदाता एवं सरकार अपनी आय-व्यय में समायोजन कर सकते हैं।

एडम स्मिथ के अनुसार, "प्रत्येक व्यक्ति जिसे कर अदायगी करनी है। उसकी मात्रा निश्चित होनी चाहिए, ऐच्छिक नहीं । कर की अदायगी का समय, अदायगी की मात्रा। यह सब करदाता को तथा प्रत्येक दूसरे व्यक्ति को स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए"।

यदि कराधान में अनिश्चितता है तो ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेंगे और मनमाने ढंग से कर वसूल किए जाएंगे।

सुविधा का सिद्धांत (Canon of Convience)

करारोपण का सुविधा का सिद्धांत एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार सरकार के द्वारा कर एक ऐसे समय में ऐसे स्थान पर वसूल किया जाना चाहिए जहाँ करदाता को अधिक सुविधा हो।

एडम स्मिथ के अनुसार, "प्रत्येक कर ऐसे समय अथवा इस प्रकार के तरीके से लगाया जाना चाहिए ताकि करदाता को कर की अदायगी करने में अधिक से अधिक सुविधा हो"।

अर्थात करदाता के लिए कर्ज चुकाने के लिए अनुकूल परिस्थिति होनी चाहिए, जिससे कर चुकाने में उसे अधिक से अधिक सुविधा हो।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मितव्ययिता का सिद्धांत (Canon of Economy)

एडम स्मिथ ने करों को एकत्रित करने में मितव्ययता पर अधिक ज़ोर दिया है। प्रत्येक कर इस प्रकार से लगाया जाना चाहिए ताकि लोगों से जितना कर वसूल किया जाता है, उतना ही सरकार के खजाने में पहुंचाना चाहिए।

ताकि सरकार अधिक से अधिक समाज कल्याण में व्यय कर सके। तथा कर वसूल करने में कम से कम व्यय होना चाहिए।

एडम स्मिथ के अनुसार, "प्रत्येक कर इस प्रकार लगाना चाहिए कि लोगों को जेबों से सरकारी खजाने में जाने वाली रकम के अतिरिक्त कम से कम निकाला जाए"।

इसके अंतर्गत भी ध्यान रखा जाए कि कोई कर ऐसा न लगाया जाए जो व्यापार एवं आर्थिक विकास में रुकावट डाले।

एडम स्मिथ की करारोपण के सिद्धांतों के अलावा कुछ अन्य अर्थशास्त्रियों ने भी अपने अपने सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं-

उत्पादकता का सिद्धांत (Canon of Productivity)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

यह सिद्धांत प्रो. ***बैस्टबिल*** के द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

उनके अनुसार,

कर प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिससे देश का उत्पादन पर बुरा प्रभाव ना पड़े क्योंकि साधारणतया कर लगाने से उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। एक

अच्छी कार्यप्रणाली में यह आवश्यक है कि सरकार को पर्याप्त मात्रा में आय प्राप्त होती रहे।

करारोपण की उत्पादकता का तात्पर्य यह है कि वर्तमान काल में ही सरकार को पर्याप्त आय प्रवाह होता रहे। बल्कि भविष्य में भी सार्वजनिक आय का प्रवाह बना रहे।

लोच का सिद्धांत (Canon of Elasticity)

कर प्रणाली में लोच का गुण होना बहुत आवश्यक है।

लोच का तात्पर्य यह है कि आवश्यकता पड़ने पर करों में कमी एवं वृद्धि की जा सके।

और समयानुसार करों में सरलता या कठोरता लायी जा सके।

इससे यह लाभ होता है कि सरकार अपनी आय को आवश्यकतानुसार एवं समय के अनुसार बढ़ा सकती।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सरलता का सिद्धांत (Canon of Elasticity)

एक अच्छी कार्यप्रणाली के लिए यह आवश्यक है कि वह अत्यंत सरल हो।

करारोपण में सरलता का तात्पर्य है कि *प्रत्येक करदाता की प्रकृति, उद्देश्य, अदायगी का समय, सिद्धांत तथा कर लगाने के आधार को भलीभाँति समझ सके।*

एक जटिल तथा स्पष्ट कर प्रणाली सरकार तथा करदाताओं की मदद के संबंध को बिगाड़ सकती है। और उनमें असंतोष उत्पन्न कर सकती है।

विविधता का सिद्धांत (Canon of Simplicity)

यह सिद्धांत **आरमीतेज स्मिथ** के द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

उनके अनुसार कर प्रणाली इस प्रकार की होनी चाहिए ताकि प्रत्येक नागरिक अपना योगदान दे सकें।

करारोपण में विविधता का तात्पर्य हो कि सरकार अपनी आय करों से प्राप्त करें । एक कर से पर्याप्त आय प्राप्त नहीं होती है, अतः करो को कई प्रकार की किस्मों में बांटना चाहिए ताकि सभी नागरिक अपनी योग्यता के अनुसार राज्य की आय में अपना अंशदान दे सके।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

जैसे: प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों का मिश्रण होना।

भारतीय कर प्रणाली में लगभग सिद्धांतों का पालन किया गया है। किंतु भारतीय प्रणाली में अनेक दोष है जिसके कारण इन सिद्धांतों का आंशिक रूप से ही पालन होता है।

भारतीय कर प्रणाली एक अमितव्ययी एवं जटिल प्रणाली है।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

THE ECONOMICS GURU

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@nakuldhali*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE